DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

15 April, 2024

वैश्विक व्यापार आउटलुक (दृष्टिकोण) और सांख्यिकी/आंकड़े

संदर्भ: *वर्ष 2023 के वाणिज्यिक व्यापार में गिरावट के बावजूद विश्व व्यापार संगठन (WTO) को इस वर्ष वैश्विक वस्तु/पण्य/वाणिज्यिक व्यापार में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है।*

➢ **विश्व पण्य वस्तु व्यापार मात्रा अनुमान:**

- वर्ष 2024 में, विश्व वस्तु/पण्य/वाणिज्यि व्यापार की मात्रा को 2.6% बढ़ने का अनुमान है, हालाँकि वर्ष 2023 में -1.2% की गिरावट के बाद भी वर्ष 2025 में 3.3% की वृद्धि होगी।
- मध्य पूर्व और स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (CIS) क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के अलावा, वर्ष 2023 में वास्तविक रूप से कमजोर आयात मांग अधिकांश क्षेत्रों में देखी गई, विशेष रूप से यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया में।

➢ **विश्व वास्तविक जीडीपी वृद्धि और मुद्रास्फीति दबाव:**

- बाजार विनिमय दरों पर विश्व की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 2022 में 3.1% से घटकर 2023 में 2.7% हो गई, लेकिन 2024 में इसे 2.6% और 2025 में 2.7% पर अपेक्षाकृत स्थिर रहने का अनुमान है।
- स्थिर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और व्यापारिक व्यापार की मात्रा में मंदी के बीच का अंतर मुद्रास्फीति के दबावों के कारण है, जिसने विशेष रूप से प्रमुख व्यापारिक देशों में व्यापार-गहन वस्तुओं की खपत को प्रभावित किया है।

➢ **विश्व व्यापार का अमेरिकी डॉलर मूल्य:**

- विश्व वाणिज्यिक व्यापार का अमेरिकी डॉलर मूल्य वर्ष 2023 में 5% कम होकर 24.01 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, हालांकि वाणिज्यिक सेवा व्यापार में 9% की वृद्धि से इसकी आंशिक भरपाई हुई और यह 7.54 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।
- वाणिज्यिक वस्तु के निर्यात में गिरावट तेल और गैस जैसी पण्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट से प्रभावित हुई, जबकि वाणिज्यिक सेवा व्यापार को अंतरराष्ट्रीय यात्रा में सुधार और डिजिटल रूप से वितरित सेवाओं में वृद्धि से लाभ हुआ है।

➢ **विश्व व्यापार का लचीलापन:**

- विभिन्न पोरकार के आर्थिक जोखिमों के बावजूद, विश्व व्यापार ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित किया है।
- वर्ष 2019 की तुलना में वर्ष 2023 के अंत तक वस्तु व्यापार की मात्रा में 6.3% की वृद्धि हुई है, और वाणिज्यिक सेवाओं में वर्ष 2019 और वर्ष 2023 के बीच वार्षिक अमेरिकी डॉलर मूल्यों में 21% की वृद्धि हुई है।

➢ **अन्य दृष्टिकोण और जोखिम:**

- वर्ष 2024 और 2025 में, मुद्रास्फीति में धीरे-धीरे कमी आने की उम्मीद है, जिससे उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वास्तविक आय में वृद्धि होगी और इसके बाद विनिर्मित वस्तुओं की खपत में वृद्धि होगी।
- पूर्वानुमान के जोखिमों में भू-राजनीतिक तनाव और नीतिगत अनिश्चितता शामिल है, मध्य पूर्व में संघर्ष के साथ यूरोप और एशिया के बीच समुद्री शिपमेंट पर असर पड़ रहा है, अन्य जगहों पर तनाव के कारण संभावित व्यापार विखंडन, और बढ़ते संरक्षणवाद से 2024 और 2025 में व्यापार सुधार के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है।

Chart 7: Contributions to world trade volume growth by region, 2022-2025
Annual % change

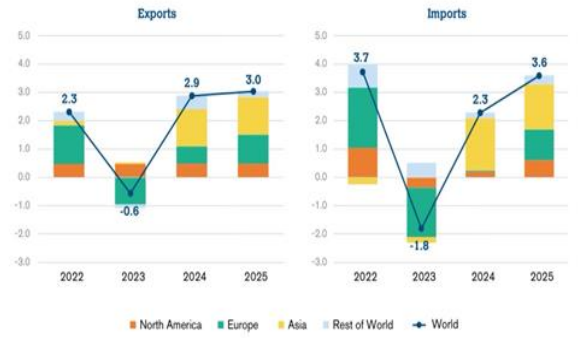

Source: WTO-UNCTAD.

ड्रैगन एग नेबुला (ड्रैगन एग नेबुला)

संदर्भ: *खगोलविदों को हाल ही में गैस और धूल के एक बादल के भीतर स्थित दो विशाल सितारों के साथ एक हैरान करने वाली संरचना दिखाई पड़ी है, जिसे "ड्रैगन एग" नेबुला (नीहारिका) के रूप में पहचाना गया है।*

➢ **ड्रैगन एग नेबुला का निर्माण:**

- ड्रैगन एग नेबुला की उत्पत्ति एक विशाल और गर्म केंद्रीय तारे द्वारा उत्सर्जित तीव्र तारकीय हवाओं से हुई है।
- यह तारा, सूर्य से लगभग 40 गुना अधिक विशाल है, जो अपनी बाह्य परतों को 4 मिलियन किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से अंतरिक्ष में निष्कासित कर सकता है।
- इन उच्च-वेग तारकीय हवाओं और आसपास के अंतरतारकीय माध्यमों के बीच टकराव से उत्पन्न जटिल संरचनाएं और शॉक तरंगें इस प्रकार के नेबुला की उत्पत्ति अथवा निर्माण में योगदान करती हैं।

➢ **NGC 6164/6165 की जटिल संरचना:**

- NGC 6164/6165 में दो अलग-अलग क्षेत्र शामिल हैं:
- एनजीसी 6164: यह केंद्रीय तारे के आसपास का चमकीला और अधिक सघन क्षेत्र है।
- एनजीसी 6165: यह जटिल फिलामेंट्स और बुलबुले के रूप में में बाह्य अन्तरिक्ष की ओर फैला हुआ है।
- उपर्युक्त दोनों क्षेत्र नेबुला के समग्र आकार को बनाने में सहयोग करते हैं, जो ड्रैगन के अंडे जैसा दिखता है, इसलिए यह इसका लोकप्रिय उपनाम है।
- आयनित हाइड्रोजन गैस की उपस्थिति इस नेबुला की संरचना को विस्तृत करती है, जो केंद्रीय तारे से तीव्र पराबैंगनी विकिरण द्वारा उत्तेजित होने पर एक विशिष्ट लाल चमक उत्सर्जित करती है।

➢ **नेबुला/नीहारिकाएं:**

- **परिभाषा:** निहारिकाएँ पूरे अंतरिक्ष में बिखरे हुए गैस और धूल के विशाल बादल हैं, जो अक्सर तारों के जन्मस्थान के रूप में कार्य करते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **उत्सर्जक नीहारिकाएँ:** ये नीहारिकाएँ निकटवर्ती गर्म तारों द्वारा गैसों के आयनीकरण के कारण प्रकाश उत्सर्जित करती हैं। उदाहरणों में ओरियन नेबुला और लैगून नेबुला शामिल हैं।
- **परावर्तित निहारिकाएँ:** ये निहारिकाएँ निकटवर्ती तारों से प्रकाश को परावर्तित करके चमकती हैं, जो अक्सर धूल के कणों द्वारा तारों के प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण नीली दिखाई देती हैं। विच हेड नेबुला इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है।
- **डार्क नेबुला**: इसे अवशोषण निहारिका के रूप में भी जाना जाता है, ये बादल की पृष्ठभूमि से सितारों से प्रकाश को धूमिल करते हैं, जिससे अंतरिक्ष में काले धब्बे बनते हैं। कोलसैक नेबुला एक प्रमुख डार्क नीहारिका है।
- **ग्रहीय नीहारिकाएँ**: जब एक मरता (Dying) हुआ तारा अपनी बाह्य परतों को त्यागता है, तो ग्रहीय नीहारिकाएँ विभिन्न प्रकार के आकार और रंग प्रदर्शित करती हैं। हेलिक्स नेबुला और रिंग नेबुला इसके प्रसिद्ध उदाहरण हैं।
- **सुपरनोवा अवशेष:** ये नीहारिकाएं किसी विशाल तारे के जीवन चक्र के अंत में उसके विस्फोट से उत्पन्न होती हैं। वे अक्सर जटिल फिलामेंटरी संरचनाएं प्रदर्शित करते हैं और सुपरनोवा विस्फोट में निर्मित तत्वों से समृद्ध होते हैं। क्रैब नेबुला एक प्रसिद्ध सुपरनोवा अवशेष है।
- **गैलेक्टिक नेबुला:** ये नेबुला आकाशगंगाओं के भीतर गैस और धूल के विशाल बादल हैं, जो गैलेक्टिक पर्यावरण की समग्र संरचना और गतिशीलता में योगदान करते हैं। उदाहरणों में हमारी अपनी आकाशगंगा में ओरियन आणविक बादल परिसर शामिल है।

चुनाव चिन्ह

***सन्दर्भ**: भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने हाल ही में एक राजनीतिक दल के चुनाव चिह्न को फ्रीज करने का निर्णय लिया है। 1968 के चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) अधिनियम, चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मान्यता देने और उनके लिए चुनाव चिह्न देने का अधिकार देता है।*

➢ चुनाव चिन्हों का आवंटन:

- चुनाव चिह्नों के आवंटन की जिम्मेदारी भारत के चुनाव आयोग (ECI) की है, जो चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 द्वारा शासित है।
- यह आदेश संसदीय और विधानसभा चुनावों के लिए आरक्षण, चयन और प्रतीकों के आवंटन को निर्दिष्ट करता है, साथ ही यह मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीच के अंतर को व्याख्यायित करता है।
- हालाँकि चुनाव चिन्ह विशेष रूप से मान्यता प्राप्त पार्टियों के लिए आरक्षित किए जा सकते हैं, जबकि गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां स्वतंत्र, गैर-विशिष्ट चुनाव चिन्हों की सूची में से अपना चुनाव चिन्ह चुन सकती हैं।
- छह राष्ट्रीय पार्टियों, 26 राज्य पार्टियों और 2,597 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों सहित पार्टियों और चुनाव चिन्हों को निर्दिष्ट करने वाली सूचियाँ चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित की जाती हैं।

➢ राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएँ:

- गैर-पंजीकृत दल आयोग द्वारा प्रदान की गई निःशुल्क चुनाव चिन्हों की सूची में से दस चुनाव चिन्ह अपनी प्राथमिकताएँ प्रस्तुत करते हैं।
- विभिन्न पार्टियां तीन नए चुनाव चिन्हों का प्रस्ताव कर सकती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए, कि वे अलग हैं और धार्मिक या सांप्रदायिक अर्थों से मुक्त हैं।

➢ चुनाव चिन्ह सम्बन्धी विवादों का समाधान:

- पार्टी विभाजन के मामलों में, चुनाव आयोग पार्टी संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों, पार्टी संविधान और पार्टी के भीतर बहुमत के समर्थन पर विचार करके विवादों का समाधान करता है।
- चुनाव आयोग के निर्णय प्रतिद्वंद्वी गुटों के लिए बाध्यकारी हैं, जबकि पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों में विभाजन को आंतरिक समाधान या कानूनी सहारा लेने की सलाह दी जाती है।
- चुनाव आयोग इस सन्दर्भ में या तो चुनाव चिन्ह को फ्रीज करसकते हैं या उन्हें नया चुनाव करने की सलाह दी जाएगी।

➢ अलग हुई पार्टियों की मान्यता के लिए मानदंड:

- 1997 से पहले, मूल पार्टी का चुनाव चिन्ह न पाने वाले अलग-अलग समूहों को सांसदों/विधायकों के समर्थन के आधार पर पहचाना जा सकता था।
- चुनाव आयोग ने इस दृष्टिकोण को संशोधित किया, जिसमें अलग-अलग समूहों को अलग-अलग पार्टियों के रूप में पंजीकृत करने और पंजीकरण के बाद चुनावी प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय या राज्य पार्टी की स्थिति के लिए अर्हता प्राप्त करने की आवश्यकता थी।

➢ राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएँ:

- गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियाँ चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचित मुक्त चुनाव चिन्हों में से दस प्राथमिकता आधारित चुनाव चिन्ह वाली एक सूची प्रदान करती हैं।
- पार्टियां विचार के लिए तीन नए चुनाव चिन्हों का प्रस्ताव कर सकती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनका मौजूदा चुनाव चिन्हों या किसी धार्मिक या सांप्रदायिक अर्थ से कोई समानता नहीं है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

फोर्ट इमैनुएल

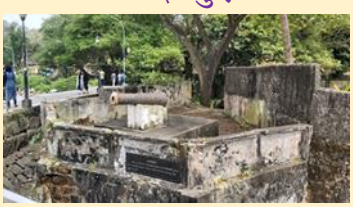

हाल ही में देखा गया है कि केरल के कोच्चि फोर्ट कोच्चि बीच पर स्थित फोर्ट इमैनुएल कर संरक्षण की आवश्यकता है।

फोर्ट इमैनुएल के बारे में:

- फोर्ट इमैनुएल का निर्माण 1503 में पुर्तगालियों द्वारा फोर्ट कोच्चि समुद्र तट के किनारे किया गया था।
- यह एक रणनीतिक गढ़ के रूप में कार्य करता था और कोच्चि के महाराजा तथा पुर्तगाली सम्राट के बीच गठबंधन का प्रतीक था।
- फोर्ट इमैनुएल की अधिकांश दीवारें और गढ़ 1806 तक डचों तथा बाद में अंग्रेजों द्वारा नष्ट कर दिए गए थे।
- वर्तमान में, किले के अवशेष तट के किनारे जलमग्न हैं जो कम ज्वार के दौरान कभी-कभी प्रकट हो जाते हैं।
- बैस्टियन बंगले (अब एक विरासत संग्रहालय) से समुद्र तट के दक्षिणी छोर तक स्थित, फोर्ट इमैनुएल औपनिवेशिक इतिहास और समुद्री व्यापार में अपनी भूमिका के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है।
- फोर्ट इमैनुएल जैसे किलों का निर्माण फोर्ट कोच्चि, गोवा, कोल्लम, कोझिकोड और कोडुंगल्लूर सहित अपने तटीय उपनिवेशों की रक्षा के लिए पुर्तगाली रणनीति का हिस्सा था।
- ये किले व्यापार मार्गों को सुरक्षित करने और प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के हमलों को विफल करने के लिए महत्वपूर्ण थे।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

मुरिया जनजाति

*हाल ही में आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारमा राजू जिले में मुरिया जनजाति की चुक्कलपाडु बस्ती में देखा गया है कि यहां शिशु-पिता के बीच **'पालना बंधन'** की परंपरा आज भी कायम है।*

मुरिया जनजाति के बारे में:

- मुरिया जनजाति छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा राज्यों में रहती है।
- वे कोया बोलते हैं, जो एक द्रविड़ भाषा है और इसमें कोई जाति व्यवस्था नहीं है।
- यह जनजाति मुख्यतः कृषि प्रधान है और चावल की खेती करती है।
- मुरिया जनजाति की विशिष्ट परंपरा है कि एक व्यक्ति को अपने नवजात बच्चे के लिए जीवन भर की स्मृति के रूप में एक बांस का पालना बुनना चाहिए, जिसे 'वूकाडा' कहा जाता है।
- परंपरागत रूप से, वे एक लोक धर्म का पालन करते हैं, प्रकृति , अपने गांवों और कुलों के बुद्धदेव (देव) जैसे देवताओं की पूजा करते हैं।
- वे जीवन निर्वाह के लिए स्थानान्तरित खेती या काटकर और जला कर कृषि करने का अभ्यास करते थे।
- आंध्र के आरक्षित वनों में लगभग 54 मुरिया बस्तियाँ मौजूद हैं।
- उनके पास छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति का दर्जा था लेकिन उन्हें तेलंगाना जैसे उनके विस्थापित राज्यों में अनुसूचित जनजाति का दर्जा नहीं दिया गया था।

पॉलीग्राफ टेस्ट

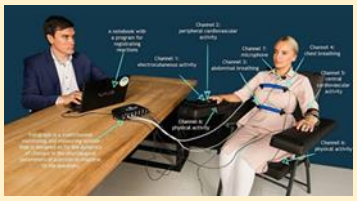

हाल ही में नेताओं के फोन टैपिंग को लेकर निशाने पर आए बीआरएस नेता के.टी. रामा राव ने पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की पेशकश की है।

पॉलीग्राफ टेस्ट के बारे में:

- पॉलीग्राफ परीक्षण, जिसे झूठ पकड़ने वाले परीक्षण के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसी मशीन है जो प्रश्नों का उत्तर देने पर किसी व्यक्ति की शारीरिक प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करती है।
- परीक्षण के दौरान व्यक्ति से कार्डियो-कफ या इलेक्ट्रोड जैसे उपकरण जुड़े होते हैं।
- परीक्षण रक्तचाप, नाड़ी, श्वसन और त्वचा की चालकता जैसी चीजों को मापता है और रिकॉर्ड करता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरों की पहचान करने के लिए घटना-विशिष्ट जांच, कर्मचारी स्क्रीनिंग और सुरक्षा स्क्रीनिंग के लिए पॉलीग्राफ परीक्षणों का उपयोग किया जाता है।
- सुप्रीम कोर्ट ने आत्म-दोषारोपण के खिलाफ अधिकार की रक्षा करते हुए अनुच्छेद 20(3) को लागू किया, जिसमें कहा गया कि किसी भी आरोपी को अपने खिलाफ गवाही देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।
- डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) के मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि व्यक्तियों को अनैच्छिक पॉलीग्राफ और नार्को परीक्षणों के अधीन करना क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार है, जो अनुच्छेद 21, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है।
- इसके अलावा, 1871 का भारतीय साक्ष्य अधिनियम इन परीक्षणों के परिणामों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं करता है।
- 1999 में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पॉलीग्राफ टेस्ट के संचालन के लिए दिशानिर्देश अपनाए, जिसमें सहमति और परीक्षण प्रक्रिया के उचित दस्तावेजीकरण जैसे पहलुओं पर जोर दिया गया।

क्रायोजेनिक्स

क्रायोजेनिक्स के बारे में:

- क्रायोजेनिक्स का अर्थ अत्यधिक निम्न तापमान पर पदार्थों के विज्ञान से है, ये तापमान -153 डिग्री सेल्सियस से कम होते हैं।
- इस तापमान पर हाइड्रोजन और नाइट्रोजन जैसी सामान्य गैसें द्रव में बदल जाती हैं।
- हीलियम और नाइट्रोजन प्राथमिक क्रायोजेनिक तरल पदार्थ हैं, जिनका क्वथनांक क्रमशः - 269 डिग्री सेल्सियस और -196 डिग्री सेल्सियस है।
- क्रायोजेनिक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन महत्वपूर्ण रॉकेट ईंधन हैं जो इसरो के एलवीएम-3 जैसे उन्नत रॉकेटों को शक्ति प्रदान करते हैं।
- क्रायोजेनिक तकनीक स्टील जैसी धातुओं को कठोर और मजबूत बनाने के लिए क्रायोजेनिक हार्डनिंग प्रक्रिया को सक्षम बनाती है।
- क्रायोजेनिक द्रव्य चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) उपकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- प्रशीतन प्रौद्योगिकी का उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक क्रायोजेनिक तापमान को प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए किया जाता है।
- यह चरम स्थितियों में सामग्रियों और ईंधन के उपयोग को सक्षम बनाता है, जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण, उद्योग और चिकित्सा निदान में प्रगति की सुविधा मिलती है।
- इंजीनियरिंग चुनौतियों का सामना करने वाले रिसाव और परिवेश को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए क्रायोजेनिक तरल पदार्थ को वैक्यूम फ्लास्क में संग्रहित करने की आवश्यकता होती है।

सुर्खियों में स्थल

इक्वेडोर

हाल ही में, इक्वाडोर के राष्ट्रीय न्यायालय ने क्विटो में मेक्सिको के दूतावास के अंदर से पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास की जब्ती और गिरफ्तारी को "अवैध और मनमाना" घोषित किया।

इक्वाडोर (राजधानी: क्विटो)

अवस्थिति : इक्वाडोर उत्तर-पश्चिमी दक्षिण अमेरिका में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: इक्वाडोर अपनी सीमाएँ पेरू (पूर्व और दक्षिण) और प्रशांत महासागर (पश्चिम) तथा कोलंबिया (उत्तर) से साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- इक्वाडोर की प्रमुख नदियों में अमेज़न, नेपो, गुयास, एस्मेराल्डास और पास्ताज़ा नदियाँ शामिल हैं।
- गैलापागोस द्वीप समूह अपने अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रसिद्ध हैं और उन्होंने चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- इक्वाडोर का सबसे ऊँचा स्थान चिम्बोराजो ज्वालामुखी है।
- इक्वाडोर खनिजों से समृद्ध है, जिसमें सोना, चांदी, तांबा और तेल के महत्वपूर्ण भंडार हैं।

अर्थव्यवस्था: इक्वाडोर ने 13 अप्रैल 2000 को संयुक्त राज्य डॉलर को अपनी राष्ट्रीय मुद्रा के रूप में अपनाया।

POINTS TO PONDER

- कौन सा भारतीय राज्य शास्त्रीय नृत्य शैली कुचिपुड़ी का जन्मस्थान है? – **आंध्र प्रदेश (कुचिपुड़ी गांव)**
- वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (FSDC) ने हाल ही में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पद के लिए किसकी सिफारिश की है? – **मनोज मित्तल (मित्तल एस रमन की जगह लेंगे, जो अप्रैल 2021 में सिडबी में शामिल हुए)**
- नासा ने हाल ही में अपने नवीनतम पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह, प्लैंकटन, एरोसोल, क्लाउड, महासागर पारिस्थितिकी तंत्र (पीएसीई) से डेटा के संबंध में कौन सी महत्वपूर्ण पहल की है? – **यह अब सार्वजनिक रूप से विज्ञान-गुणवत्ता वाला डेटा वितरित कर रहा है**
- भारतीय संविधान के किस भाग में अनुच्छेद 371 शामिल है, और यह कुछ राज्यों के लिए क्या मायने रखता है? – **भाग XXI, कुछ राज्यों के लिए अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष शक्तियां प्रदान करना।**
- डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) के मामले में, व्यक्तियों को अनैच्छिक पॉलीग्राफ और नार्को परीक्षणों के अधीन करने की प्रथा के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय का क्या फैसला था? – **यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करता है**